

माते गायत्री, सिंहारूढ भगवती-महिषासुरमर्दिनी, क्षमस्व चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥१॥

प्रतिपदा, घोररूप महाकाली - असुरों को भयकारी, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥२॥

द्वितीया, कनकांगी महालक्ष्मी - सर्वविघ्ननाशिनी, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥३॥

तृतीया, महासरस्वती राज्ञी - सर्वरोगनाशिनी, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥४॥

चतुर्थी, रक्तदन्तिका योगिनी - असुररक्तप्राशिनी, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥५॥

पंचमी, नीलवर्ण शताक्षी - अन्नजलदायिनी, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥६॥

षष्ठी, श्रीरामवरदायिनी - अशुभनाशिनी, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥७॥

सप्तमी, नन्दिनी गर्भदायिनी - श्रीकृष्णतारिणी, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥८॥

अष्टमी, दत्तमंगला चण्डिका - श्रीगुरुभक्तिरूपा, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥९॥

नवमी, नित्या मन्त्रमालिनी - कलिमलहारिणी, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥१०॥

कृपा करो, अशुभ हरो - हे वज्रमंडलराज्ञी, रक्ष चण्डिके ।
जय दुर्गे, अखिल विश्व की जननी माँ उदे, उदे, उदे, उदे, उदे ॥११॥